सिटी एंकर संयुक्त प्रवेश परीक्षा : 37,497 अभ्यर्थी पहुंचे, 2,287 अनुपस्थित

कृषि कॉलेजों की 11 हजार सीटों पर तीन गुना दावेदार, जेट परीक्षा में 94.6% उपस्थिति

एजुकेशन रिपोर्टर। बीकानेर। प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेट)-2026 शनिवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा में अभ्यर्थियों की उपस्थिति 94 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि राज्य के कृषि कॉलेजों की करीब 11 हजार सीटों के लिए लगभग तीन गुना अभ्यर्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा रहेगी। परीक्षा परिणाम 15 जुलाई के बाद जारी होने की संभावना है, जिसके बाद अगले महीने से ऑनलाइन काउंसलिंग शुरू होगी।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित परीक्षा प्रदेश के बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा सहित पांच जिला मुख्यालयों के 95 परीक्षा केंद्रों पर दो पारियों में हुई। कुल 39,784 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 37,497 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 2,287 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

स्नातक प्रवेश के लिए आयोजित जेट परीक्षा में 35,840 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 33,911 (94.60 प्रतिशत) ने परीक्षा दी। प्री-पीएचडी परीक्षा में 414 में से 397 (95.89 प्रतिशत), पीजी एग्रीकल्चर में 2,790 में से 2,509 (89.92 प्रतिशत) तथा पीजी हॉर्टिकल्चर में 704 में से 651 (92.47 प्रतिशत) अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद मेरिट के आधार पर ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से राज्य के 145 कृषि महाविद्यालयों में लगभग 11 हजार सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए इस बार प्रत्येक सीट पर औसतन तीन दावेदारों के बीच मुकाबला रहेगा।

कुलगुरु ने की मॉनिटरिंग, परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ.राजेंद्र बाबू दुबे ने निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से परीक्षा निष्पादन के लिए मॉनिटरिंग की। डॉ.दुबे ने स्वयं विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा कार्यालय से लगातार अपडेशन लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। परीक्षा पहली पारी में सुबह 11 बजे से दोपहर 1.10 बजे और दूसरी पारी में दोपहर 3 से शाम 5.10 बजे तक आयोजित की गई। बीकानेर में 19 केंद्रों पर यह परीक्षा हुई।

● संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेट)-2026 शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। अभ्यर्थियों की उपस्थिति 94 प्रतिशत से अधिक रही है। परीक्षा परिणाम जल्द घोषित करने का प्रयास किया जाएगा, जिसके बाद काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होगी।
डॉ.विजय प्रकाश, परीक्षा समन्वयक, जेट-2026

औषधीय पौधों पर आधारित हर्बल गार्डन होगा विकसित, होगा शोध कार्य

डिग्गी निर्माण का हुआ काम, जल्द लगाएं जाएंगे पौधे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में स्थानीय औषधीय पौधों पर आधारित हर्बल गार्डन शीघ्र तैयार किया जाएगा। करीब एक करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से संचालित इस परियोजना के तहत डिग्गी निर्माण,

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय।

पौध तैयारी तथा प्राथमिक चरण के समस्त कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। मानसून की पहली बरसात के साथ ही हर्बल गार्डन में विभिन्न पौधों का रोपण कर दिया जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एन के शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कृषि विश्वविद्यालय को 135.704 लाख रुपए की औषधि व सगंध पौधों का हर्बल गार्डन विकसित करने की तीन वर्षीय परियोजना को स्वीकृति मिली है। परियोजना के तहत शुष्क क्षेत्र के लिए उपयुक्त औषधीय व सगंध पौधों का हर्बल गार्डन विकसित किया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य अति शुष्क क्षेत्र में औषधीय गुणों वाले स्थानीय वृक्षों, झाड़ियों व वार्षिक पौधों को लगा कर औषधीय पौधों की खेती की संभावनाओं की तलाश करना है।

हर्बल गार्डन तैयार करने के बाद कृषि विविधीकरण में बढ़ावा मिलेगा व कृषकों की आय में भी बढ़ोतरी हो सकेगी। परियोजना से क्षेत्र के किसानों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, आयुर्वेदिक चिकित्सकों को फायदा मिलेगा व आमजन में औषधि व सगंध पौधों के बारे में जागरूकता लाई जा सकेगी।

लगेंगे औषधीय पौधे

हर्बल गार्डन में औषधीय एवं सगंध पौधों के उत्पादन व प्रवर्धन संबंधी विषयों पर कार्य किए जाएंगे। पौधों की रोपण सामग्री भी नर्सरी में उत्पादित की जाएगी। औषधीय पौधों में मुख्य रूप से अश्वगंधा, गिलोय, सफेद मूसली, सतवार, तुलसी, मरुआ, गूगल, ग्वारपाठा, अर्जुन, पीपल, नीम, आक, गोखरू, मीठा नीम, आंवला सहित अन्य पौधे लगाए जाएंगे। वहीं सुगंध में गुलाब, मोगरा, चमेली, रजनीगंधा, नाग चंपा पर फोकस रहेगा।

होगा शोध कार्य

परियोजना में अति शुष्क क्षेत्र के लिए उपयुक्त औषधीय पौधों पर शोध कार्य किया जाएगा। पौधों की रोपण सामग्री नर्सरी में तैयार करने का कार्य प्रगतिरत है। क्षेत्रीय किसान औषधीय पौधे लगाने के लिए प्रेरित हों तथा कम सिंचाई के बावजूद हर्बल गार्डन विकसित कर आय सृजन की दिशा में आगे बढ़ सकें, इसके लिए इस प्रोजेक्ट में किसानों की सहभागिता के विशेष प्रयास किए जाएंगे। - **डॉ. राजेंद्र बाबू पुबे**, कुलगुरु, एसकेआरएयू